Roll No.

## ASME-23B-ESSY ESSAY (COMPULSORY) निबन्ध(अनिवार्य)

Time Allowed : Three Hours निर्धारित समय : तीन घंटे Maximum Marks: 1 00 अधिकतम अंक : 100

## Question Paper Specific Instructions प्रश्न पत्र विशिष्ट निर्देश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions: कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

1. The ESSAY must be written in ENGLISH or HINDI.

निबंध अग्रेजी या हिन्दी में लिखा जाना चाहिए।

2. Answers must be written in legible handwriting.

उत्तर सुपाठ्य लिखावट में लिखा जाना चाहिए।

3. Word limit, as specified, should be adhered to.

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द संख्या के अनुसार होने चाहिए ।

 Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet (QCAB) must be clearly struck off.

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ट अथवा पृष्ट का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे को स्पष्ट रूप से काट दीजिए।

5. There is no provisions of Re-evaluation / Re-checking of Answer Booklet.

उत्तर पुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच का कोई भी प्रावधान नहीं है।

Write two Essays, choosing one topic from each of the following sections A and B, in about 900-1000 words each. 2x50 = 100

निम्न खण्ड  $\bf A$  व  $\bf B$  प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो लगभग 900-1000 शब्दों का हो।

## SECTION-A/ खण्ड A

- 1. Forgiveness and Compassion: A Human Bliss क्षमा और करुणा : एक मानवीय आनंद
- 2. Personal Development through Community Service. सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तिगत विकास
- 3. Diligence and Patience: Key to Success परिश्रम और धैर्य : सफलता की कुंजी
- 4. Impact of Mass Media on Public Opinion जनमत पर संचार मीडिया का प्रभाव

## SECTION-B/ खण्ड - B

- 1. Online Banking: Pros and Cons ऑनलाइन बैंकिंग : फायदे और नुकसान
- 2. Welfare State: Instrumental or Detrimental to Society कल्याणकारी राज्य: समाज के लिए सहायक या हानिकारक
- 3. Veganism: Health trend or Ethical Necessity शाकाहार: स्वास्थ्य प्रवृति या नैतिक आवश्यकता
- 4. A Man is but the product of his thoughts and what he thinks he becomes एक मनुष्य अपने विचारों का परिणाम है और वह जो सोचता है वही बन जाता है